

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2017

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 19-04-2017
Wednesday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचार का महत्त्व समझाएँ । 10
Explain the importance of Nisargopachara.
2. निसर्गोपचार के प्रादुर्भाव एवं इतिहास का वर्णन करें । 10
Describe the origin and history of Nisargopachara.

OR

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान अनुसार स्वास्थ्य एवं रुग्णावस्था की मूलभूत अवधारणाओं को समझाएँ ।
Explain the basic concepts of Health and Disease according to Modern Medical Science.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. मोरारजी देसाई एवं निसर्गोपचार ।
Moraraji Desai and Nisargopachara.
- B. योग के अनुसार स्वास्थ्य की अवधारणा ।
Concept of health according to Yoga.
- C. वर्षा ऋतुचर्या ।
Varsha Rutucharya.
- D. आचार रसायन का महत्त्व ।
Importance of Aachara Rasayana.
- E. डॉ. हर्बर्ट शेल्टन ।
Dr. Herbert Shelton.
4. Answer any **Five** of the following : 10
- A. वेग धारण का क्या अर्थ है ?
What is the meaning of Vega Dharana ?
- B. आयुर्वेद अनुसार व्याधि की परिभाषा लिखें ।
Write the definition of disease according to Ayurveda.
- C. निसर्गोपचार के क्षेत्र में श्री ई.डी.बेब्बीट का प्रदान क्या है ?
What is the contribution of Mr. E. D. Babbit in the field of Naturopathy ?
- D. निसर्गोपचार के मतानुसार प्राकृतिक अनूर्जता का क्या अर्थ है ?
What is meant by natural immunity according to Nisargopachara ?
- E. स्वास्थ्य में मन का क्या महत्त्व है ?
What is the importance of Mind in health ?
- F. निसर्गोपचार के क्षेत्र में श्री विठ्ठलदास मोदी का प्रदान क्या है ?
What is the contribution of Shri Viththaldas Modi in Nisargopachara ?

[P.T.O.]

SECTION-B

5. डॉ. जे. एच. टिल्डन का 'विषाक्तता सिद्धान्त' समझाएँ ।
Explain the Toxemia Theory of Dr. J.H. Tilden. 10
6. निसर्गोपचार के विषय में गांधीजी की अवधारणाओं का वर्णन करें ।
Describe the Gandhian concept of Nisargopachara. 10

OR

- निसर्गोपचार के अनुसार शोध को समझाएँ ।
Explain inflammation according to Nisargopachara.
7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. व्याधि के प्राथमिक कारण ।
Primary causes of disease.
- B. प्रार्थना के शारीरिक्रियात्मक प्रभाव ।
Physiological effects of Prayer.
- C. पुरुषों के लिए उपयुक्त प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियों ।
Natural contraceptive methods useful for males.
- D. औषध प्रतिक्रिया ।
Drug Reaction.
- E. आरोग्य रक्षक पंचतंत्र का चिकित्सकीय महत्त्व ।
Therapeutic importance of Arogya Rakshaka Pancha Tantra.
8. Answer any **Five** of the following : 10
- A. व्याधि कालीन संकट किसे कहते हैं ?
What is disease crisis ?
- B. प्रार्थना की व्याख्या लिखें ।
Define Prayer.
- C. लिण्डल्हार के मतानुसार व्याधि प्रतिरक्षा के प्रमुख उपायों को सूचिबद्ध करें ।
Enlist the major measures of disease prevention according to Lindlhar.
- D. फेशियल एक्सप्रेसन ।
Define Facial Expression.
- E. निसर्गोपचार के अनुसार नियतकालिकता को व्याख्यायित करें ।
Define Periodicity according to Naturopathy.
- F. प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियों की उपयुक्तता क्या है ?
What is the utility of Natural Contraceptive Methods ?

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2017

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 18-04-2017
Tuesday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।

The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. उदरशक्ति विकासक क्रिया का शरीर क्रियात्मक प्रभाव एवं चिकित्सकीय उपयुक्तता वर्णित करें। 10
Describe Udarashakti Vikasak Kriyas with their physiological effects and therapeutic utility.
2. ध्यानात्मक आसनों का शरीर क्रियात्मक प्रभाव एवं निषेध समझाएँ। 10
Explain meditative Asanas with their physiological effects and contra indication.

OR

2. षट्कर्म की चिकित्सकीय उपयुक्तता सविस्तार वर्णित करें।
Describe Shatkarma in detail with their therapeutic utility.
3. Write short notes any **four** of the following. 20
- | | |
|---|--|
| (i) योग 'स्वास्थ्यपूर्ण जीवन का आधार'। | Yoga as a foundation of healthy life. |
| (ii) शिर्षासन की मूलभूत विधि एवं निषेध। | Basic technique and C.I. of Shirshan. |
| (iii) श्वसनतंत्र के रोगों में आसन। | Asanas for respiratory disorders. |
| (iv) वारिसार अंतर्धौति का शरीर क्रियात्मक प्रभाव। | Physiological effect of varisara Antaradhauti. |
| (v) ग्रीवाशक्ति विकासक सूक्ष्म व्यायाम। | Grive Shakti Vikasak Sukshnavyayam. |
4. Answer any **Five** of the following. 10
- (i) स्थूल व्यायाम सूचिबद्ध करें।
Elist Sthulyayam.
- (ii) सूर्यमन्त्रों को अर्थसहित सूचिबद्ध करें।
Enlist Suryamantras with their meaning.
- (iii) हाथ से सम्बन्धित किन्हीं चार सूक्ष्म व्यायाम सूचिबद्ध करें।
Name any four upper limb related Sukshma Vyayam.
- (iv) वस्त्रधौति में उपयुक्त वस्त्र का नाप शास्त्रोक्त आधार पर लिखें।
Mention the size of Vasthra as per classics in reference to Vastradhauti.
- (v) संकटासन की विधि लिखें।
Write technique of Sankatasan.
- (vi) 'आसन' को व्याख्यायित करें।
Define Asana.

P.T.O.

SECTION - B

5. प्राणायाम की व्याख्या एवं मूलभूत सिद्धान्त लिखें एवं वैज्ञानिक आधार पर भ्रामरी प्राणायाम का शरीरक्रियात्मक प्रभाव समझाएँ। 10
Define Pranayam with Basic Principles and explain the Psychological effect of Bhramari Pranayam Scientifically.
6. 'मुद्रा' को व्याख्यायित करते हुए उनकी चिकित्साकीय उपयुक्तता सोदाहरण समझाएँ। 10
Define Mudras with their therapeutic utility with appropriate examples.
- OR**
6. ध्यान की व्याख्या, मूल सिद्धान्त एवं शरीर क्रियात्मक प्रभाव दर्शायें।
Define Dhyana with their Basic Principles and Physiological effect.
7. Write short notes any **four** of the following. 20
- (i) स्वरोदय का पंचतत्व से सम्बन्ध।
Relation of Sarvoday with Panchtatva.
- (ii) 'उदरे पश्चिमंतानं नाभेरुर्ध्वं तु कारयेत्' समझाएँ।
'उदरे पश्चिमंतानं नाभेरुर्ध्वं तु कारयेत्' - Explain.
- (iii) डायनेमिक मेडिटेशन।
Dynamic Meditation.
- (iv) योगिक रिलेक्सेशन एवं दूसरी रिलेक्सेशन पद्धति के बीच का अंतर।
Difference between Yogic relaxation and other relaxation technique.
- (v) स्मृति वर्धन के लिये योग।
Yoga for memory booshing.
8. Answer any **Five** of the following. 10
- (i) रुपस्थ ध्यान को व्याख्यायित करें।
Define Rupastha dhyana.
- (ii) ज्ञेन मेडिटेशन की जानकारी दें।
Introduce Zen meditation.
- (iii) वारुणी धारणा को व्याख्यायित करें।
Define Varuni dharana.
- (iv) ज्ञान मुद्राकी विधि एवं प्रभाव लिखें।
Write technique and effect of Jnana mudra.
- (v) उज्जायी प्राणायाम के चिकित्साकीय उपयोग सूचिबद्ध करें।
Enlist therapeutic use of Ujjayipranayam.
- (vi) योगनिद्रा की व्याख्या एवं उसके शोधक का नाम लिखें।
Define Yoganidra and name the founder of it.



GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2017

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA AND NATUROPATHY

Date :- 21-04-2017

Friday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.

Total Marks :- 100

- सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।

The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. योगिक एवं निसर्गोपचारीय चिकित्सा व्यवस्थापन का वर्णन करें। 10
Describe the Yogic and Naturopathic treatment protocol.
2. चिकित्सा क्षेत्र में आयुर्वेद के साथ योगिक चिकित्सा पद्धति के मिश्रण पर अपने विचार प्रदर्शित करें। 10
Give your views for the amalgamation of Yoga therapies alongwith Ayurveda therapies in medical field.

OR

2. योग और निसर्गोपचारीय चिकित्सा सिद्धान्तों में साम्यता और भिन्नता का वर्णन करें।
Describe the similarity and differences between Yoga and Naturapathic therapeutic principles.
3. Write short notes any **four** of the following. 20
 - (i) आधुनिक चिकित्सा एवं निसर्गोपचार। Modern treatment and Naturopathy.
 - (ii) वर्ण निदान। Chromo diagnosis.
 - (iii) योग में परामर्श की उपादेयता। Utility of counselling in Yoga.
 - (iv) नाभि परीक्षा। Umbilical examination.
 - (v) निदान प्रक्रिया के सोपान। Steps of diagnosis.
4. Answer any **Five** of the following. 10
 - (i) स्वस्थ व्यक्ति में स्वर परीक्षा का क्या महत्व है ?
What is the importance of breath diagnosis in healthy person ?
 - (ii) निसर्गोपचार में अनुसंधान आवश्यक है ? तार्किक कारण लिखें।
Is research necessary in Naturopathy ? Give logical reasons.
 - (iii) आयुर्वेद एवं निसर्गोपचार के सिद्धान्तों में क्या साम्यता है ?
What is the similarity between the therapeutic principles of Ayurveda and Naturopathy ?
 - (iv) योग में चिकित्सा क्रम का क्या महत्व है ?
What is the importance of sequence of treatment in Yoga ?
 - (v) स्वस्थ व्यक्ति में मुखाकृति निदान का निष्कर्ष लिखें।
Write the findings of Facial diagnosis in healthy person.
 - (vi) रोगों से बचने के लिए क्या वर्ण चिकित्सा दे सकते हैं ?
What kind of chromo-therapy would be given for the prevention of disease ?

P.T.O.

SECTION - B

5. रक्तचाप विकृति का आधुनिक एवं योगिक रोग निदान-विकृति सह वर्णन करके सम्पूर्ण चिकित्सा लिखें। 10
Write the Modern and Yogic pathological co-relation and complete management of Raktachap Vikruti.

6. वातरक्त एवं विसर्प का चिकित्सासूत्र एवं सम्पूर्ण चिकित्सा लिखें। 10
Write the line of treatment and complete management of Vatarakta and Visarpa.

OR

6. अन्नवह स्रोतगत विकारो का सामान्य चिकित्सासूत्र एवं अम्लपित्त की सम्पूर्ण चिकित्सा लिखें।
Write the common line of treatment of Annavaha Srotas disorders and complete management of Amlapitta.

7. Write short notes any **four** of the following. 20

(i) मनोवह स्रोतगत विकारो की सामान्य चिकित्सा।
Common management of Manovaha Srotas disorders.

(ii) अस्थि सौषिर्य की योगिक चिकित्सा।
Yogic management of Asthi Saushriya.

(iii) मूत्रकृच्छ्र की निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
Naturopathic Management of Mutrakruchchhra.

(iv) अरुचि चिकित्सा।
Management of Aruchi.

(v) आमवात की योगिक सम्प्राप्ति एवं चिकित्सा।
Yogic Patho-physiology and management of Amavata.

8. Answer any **Five** of the following. 10

(i) कार्श्य का चिकित्सा सूत्र लिखें।
Write the line of treatment of Karshya.

(ii) मूर्च्छा में क्या योगिक चिकित्सा कर सकते हैं ?
What Yogic treatment can be perform in Murchha ?

(iii) अर्बुद में उपयुक्त किन्हीं चार निसर्गोपचारीय चिकित्साओं को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four Naturopathic therapies useful in Arbuda ?

(iv) कामला का चिकित्सा सूत्र लिखें।
Write the line of treatment of Kamala.

(v) कृमि में उपयुक्त निसर्गोपचार चिकित्सा सूचिबद्ध करें।
Enlist Naturopathic treatment useful in Krumi.

(vi) हृदशूल में उपयुक्त किन्हीं चार योग चिकित्साओं को सूचिबद्ध करें।
Enlist any four Yoga therapies useful in Hridshoola.



GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.
POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2017
NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 20-04-2017
Thursday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

- सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के सामान्य नियमों का वर्णन करें । 10
Describe the general rules for application of Naturopathic procedures.
2. अधोदर मृत्तिका पट्टी के शारीरक्रियात्मक एवं मानसिक प्रभावों का वर्णन करें । 10
Describe the physiological and psychological effects of lower abdomen mudpack.

OR

मृत्तिका चिकित्सा के सौंदर्य विषयक प्रयोगों का वर्णन करें ।
Describe the cosmetic uses of mud therapy.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. मेहन स्नान के योग्य एवं अयोग्य ।
Indications and contra indications of cold water Sitz bath.
- B. सौना बाथ के चिकित्सकीय प्रयोग ।
Therapeutic utility of Sauna bath.
- C. सोलेरियम की अवधारणा ।
Concept of Solarium.
- D. स्वीडिश मसाज पद्धति ।
Swedish massage technique.
- E. ओझोन चिकित्सा ।
Ozone therapy.
4. Answer any **Five** of the following : 10
- A. चिकित्सोपयोगी जल के गुण लिखें ।
Write the properties of the water to be used for therapy.
- B. स्वेदन चिकित्सा करते समय ध्यानमें रखने योग्य किन्हीं चार सावधानियाँ को सूचिबद्ध करें ।
Enlist any four precautions to be taken during the application of fomentation.
- C. रेत स्वेदन के योग्य लिखें ।
Write the indications of sand fomentation.
- D. इफ्ल्युरेज किसे कहते हैं ?
What is meant by Effleurage ?
- E. वायु सेवन के अयोग्य लिखें ।
Write the contraindications of Vayu Sevana.
- F. उपवास के प्रकार सूचिबद्ध करें ।
Enlist the types of Fasting.

[P.T.O.]

SECTION-B

5. नव्य निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के सामान्य विनियमों का वर्णन करें । 10
Describe the general regulations for application of Neo-Naturopathic procedures.
6. चुम्बक चिकित्सा का वर्णन करें । 10
Describe magnet therapy.

OR

चुम्बकों के प्रकार एवं उनके चिकित्सकीय उपयोगों का वर्णन करें ।
Describe the types of magnets and their therapeutic utility.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
- A. रंग चिकित्सा का चिकित्सोपयोग ।
Therapeutic utility of chromo therapy.
- B. क्रेनियो-सेक्रल थेरपी ।
Cranio-sacral therapy.
- C. वाईब्रेटर चिकित्सा ।
Vibrator therapy.
- D. एरोमा थेरपी ।
Aroma therapy.
- E. अपक्व भोजन ।
Raw diet.
8. Answer any **Five** of the following : 10
- A. नीले रंग के शारीरक्रियात्मक प्रभाव सूचिबद्ध करें ।
Enlist the physiological effects of blue colour.
- B. कायरो-प्रेक्टिक चिकित्सा का मुख्य सिद्धान्त क्या है ?
What is the main principle of chiropractic therapy ?
- C. आवश्यक तैल किसे कहते हैं ?
What is meant by essential oil ?
- D. स्थूल पोषक तत्व किसे कहते हैं ?
What is meant by macro nutrient ?
- E. जीवनीय-ए की अल्पता से होनेवाली व्याधियों को सूचिबद्ध करें ।
Enlist the disorders generated due to the deficiency of vitamin-A.
- F. जीर्ण ज्वर वाले रोगी के लिए आहार आयोजन लिखें ।
Write the dietary prescription for a patient having chronic fever.
